

172
प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

संख्या: 598 /XV-1/15/1(6)/10

सेवा में

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 30 जून, 2015

विषय: अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत स्वीकृत पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु अनुदान सं० 28 के अन्तर्गत धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-12/नि०-5/एक(16)/भ०नि०रा०सै०(अ०आ०)/2015-16 दिनांक 1 अप्रैल, 2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत स्वीकृत पशु सेवा केन्द्र अण्डोली, जनपद अल्मोड़ा के भवन निर्माण कार्य हेतु गठित आगणन की आंकलित धनराशि ₹ 25.51 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० (वित्त विभाग) द्वारा औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि ₹ 25.07 लाख तथा आगणन में अधिप्राप्ति संबंधी कार्यों हेतु प्रावधानित धनराशि ₹ 0.52 लाख कुल ₹ 25.59 लाख में से शासनादेश संख्या-200/XV-1/15/1(6)/10 दिनांक 27 फरवरी, 2015 द्वारा पशु सेवा केन्द्र अण्डोली, जनपद अल्मोड़ा के भवन निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त धनराशि ₹ 3.99 लाख के उपरान्त चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में पशु चिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण योजनान्तर्गत पशु सेवा केन्द्र अण्डोली, जनपद अल्मोड़ा के भवन निर्माण कार्य हेतु अवशेष धनराशि ₹ 21.60 लाख (इक्कीस लाख साठ हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. शासनादेश संख्या-200/XV-1/15/1(6)/10 दिनांक 27 फरवरी, 2015 द्वारा निर्धारित शर्तों का पूर्ण पालन किया जायेगा।
2. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाए, जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
5. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लाई जाय।
6. विस्तृत आगणन में प्रावधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
7. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्रावधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्रावधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाए।
8. कार्यदायी संस्था के साथ कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के निर्धारित प्रारूप पर एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित करवाया जाय एवं निर्धारित एम०ओ०यू० के अनुसार समयान्तर्गत कार्य पूर्ण कराया जाए।

9. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.5.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
 10. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
 11. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
 12. आगणन में जिन मदों हेतु, जो राशि स्वीकृत की गई है? उसी मद पर व्यय किया जाय तथा एक मद की राशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
 13. स्वीकृत निर्माण कार्य को तत्काल प्रारम्भ किया जाय। निर्माण कार्य विलम्ब से प्रारम्भ करने के परिणामस्वरूप लागत में वृद्धि होती है, तो शासन स्तर से आगणनों को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। निर्माण कार्यों को वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराई जाए।
2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-00-101-पशु चिकित्सा सेवाएं तथा पशु स्वास्थ्य-10-पशु चिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण-24 वृहद निर्माण कार्य के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 1 अप्रैल, 2015 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव

संख्या: 598 (1) / XV-1/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. महालेखाकार, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
5. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा प्रखण्ड, अल्मोड़ा।
6. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
7. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी० को बेवसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
9. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील कुमार सिंह)
अनु सचिव